पाठ १७ हवा

कविता का सारांश

इस कविता में एक छोटी लड़की मुन्नी के साथ हवा की शरारतों की कहानी है। कविता की शुरुआत में, हवा ऊपर-नीचे, दाएँ-बाएँ साँय-साँय कर बह रही है। यह मुन्नी को छेड़ती है और पेड़ पर चढ़ जाती है। हवा मुन्नी से कहती है वह हाथ नहीं आएँगी और दूर उड़ जाएगी। मुन्नी हँसकर हवा से कहती है कि वह उसे फुग्गे में पकड़ लेगी।

यह कविता बच्चों के लिए एक मजेदार और रोचक प्रस्तुति है। यह हमें हवा की शक्ति और चंचलता के बारे में बताती है।

शब्दार्थ:

- साँय-साँय: हवा के बहने की आवाज़
- छेड़ना: किसी को परेशान करना
- चढ़ना: किसी ऊँचे स्थान पर जाना
- हाथ नहीं आऊँगी: पकड़ में नहीं आऊँगी
- दूर उड़ जाऊँगी: बहुत दूर चली जाऊँगी
- पकड़: किसी चीज़ को अपने हाथों में लेना
- फुग्गा: गुब्बारा, हवा से भरा हुआ एक गोलाकार पदार्थ

प्रश्न-अभ्यास

चित्रकारी

मान लीजिए कि मुन्नी ने हवा से भरे फुग्गे आपको दे दिए। आप उन फुग्गों से क्या करेंगे? सोचिए, चित्र बनाइए और कुछ शब्द भी लिखिए –

कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं, आप उनमें से भी शब्द चुन सकते हैं।

हवा फुग्गा गुब्बारा खेल मुन्नी

उत्तर:-

अगर मुन्नी ने मुझे हवा से भरे फुग्गे दिए, तो मैं उन्हें बहुत खुशी से लूंगा। फुग्गे बच्चों का सबसे पसंदीदा खेल है। मैं मुन्नी के साथ मिलकर फुग्गों से बहुत सारे खेल खेलूंगा।

- सबसे पहले, हम फुग्गों को हवा से भरेंगे। फुग्गों को हवा से भरते समय हम बहुत सारी हंसी-मजा करेंगे।
- फिर, हम फुग्गों को एक-दूसरे की ओर उड़ाएंगे। फुग्गों को उड़ाते समय हम बहुत सारी प्रतियोगिताएं करेंगे।
- इसके बाद, हम फुग्गों को एक-दूसरे से टकराएंगे। फुग्गों को टकराते समय हम बहुत सारी खुशियाँ मनाएंगे।
- अंत में, हम फुग्गों को आकाश में छोड़ देंगे। फुग्गों को आकाश में जाते देखकर हमें बहुत रोमांच होगा।

चित्र में देखकर बताइए कि मुन्नी के बाईं ओर, दाईं ओर, उसके आगे और उसके पीछे क्या-क्या दिख रहा है –

1. मुन्नी के दाईं ओर – एक पेड़, बाढ़

2. मुन्नी के बाईं ओर – दो गमले, झुला, सीसों

3. मुन्नी के आगे – दादा-दादी, बच्चे, तालाब

4. मुन्नी के पीछे – घर

भूल–भुलैया

घोड़े को जंगल तक पहुँचाइए। यह घोड़ा केवल 'ओ' के रास्ते पर ही चलता है और अन्य अक्षरों पर रुक जाता है।

उत्तर:-